लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1910

11 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

समर्थ योजना प्रशिक्षण केंद्र

1910. श्री जी. सेल्वम:

श्री सी. एन. अन्नादुरई:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु राज्य में समर्थ योजना के अंतर्गत स्थापित प्रशिक्षण केन्द्रों की संख्या कितनी है तथा कितने व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया है और रोजगार दिया गया है;

(ख) प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए कार्यान्वयन एजेंसियों के चयन तथा योजना की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए अपनाई गई निगरानी तंत्र के लिए मानदंड क्या हैं;

(ग) क्या योजना के प्रभाव का आकलन करने के लिए किसी तृतीय-पक्ष द्वारा मूल्यांकन किया गया है;

(घ) क्या सरकार समर्थ योजना के दायरे का विस्तार करके तकनीकी वस्त्र और हस्तशिल्प जैसे उभरते वस्त्र क्षेत्रों को भी इसमें शामिल करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) योजना में शामिल किए जाने वाले प्रस्तावित नए व्यापारों और नौकरी की भूमिकाओं का ब्यौरा क्या है;

(च) क्या आधुनिक वस्त्र विनिर्माण प्रौद्योगिकियों के साथ श्रमिकों के कौशल विकास के लिए कोई रणनीति बनाई गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) क्या सरकार ने कौशल प्रशिक्षण में बढ़ोतरी के लिए समर्थ योजना के अंतर्गत उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग किया है और यदि हां, तो ऐसे सहयोगों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्री गिरिराज सिंह)

(क): तमिलनाडु राज्य में समर्थ योजना के अंतर्गत कुल 659 प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें 73,702 लाभार्थियों को प्रशिक्षित (उत्तीर्ण) किया गया है तथा दिनांक 06.03.2025 तक 63,825 (86.59%) लाभार्थियों को रोजगार प्रदान किए गए हैं।

(ख): क्रियान्वयन भागीदारों को ऑनलाइन पैनल प्रक्रिया के माध्यम से नियमित अंतराल पर जारी किए गए प्रस्ताव के लिए अनुरोध के माध्यम से सूचीबद्ध किया जाता है। इस योजना को आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) और जियो-टैगिंग/टाइम-स्टैम्प्ड सुविधाओं वाले प्रशिक्षण केंद्रों के भौतिक सत्यापन हेतु एक मोबाइल एप्लिकेशन से जुड़े एक सशक्त डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है और निगरानी की जाती है। साथ ही, प्रशिक्षुओं का तृतीय पक्ष द्वारा मूल्यांकन और क्यूआर कोड सक्षम ई-प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराए जाते हैं।

(ग): जी हां, समर्थ के तहत तृतीय पक्ष द्वारा मध्य मूल्यांकन कराया गया है।

(घ): तकनीकी वस्त्र और हस्तशिल्प पहले से ही समर्थ योजना का हिस्सा हैं।

(ङ) और (च): समर्थ एक मांग आधारित कौशल प्रशिक्षण योजना है जो प्रवेश स्तर और अपस्किलिंग दोनों घटकों में पाठ्यक्रम प्रदान करती है। इस योजना के तहत पाठ्यक्रम उद्योग परामर्श के बाद नियमित अंतराल पर अपनाए जाते हैं। वर्तमान में, योजना के तहत कौशल के लिए कुल 120 राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप पाठ्यक्रम अपनाए गए हैं।

(छ): जी हां, इस योजना का क्रियान्वयन वस्त्र उद्योग और उद्योग संघों सहित सूचीबद्ध कार्यान्वयन भागीदारों के माध्यम से किया जाता है।

***